Re: Drought situation in Chatra Parliamentary Constituency - laid

श्री सुनील कुमार सिंह (चतरा): झारखंड राज्य में सुखाड़ की स्थिति बन गई है। जुलाई तक बारिश 274.7 निलीमीटर हुई है जबकि 508 दशमलव 20 मिली मीटर होनी चाहिए थी, 46% बारिश कम हुई है राज्य के सभी जिलों में बारिश की कमी है लेकिन 17 जिलों में हालत ठीक नहीं है पूरे झारखंड में अब तक मात्र 15 फेस की बुआई हो पाई है मेरे लोकसभा क्षेत्र के चतरा जिला में 75% कम बारिश हुई है झारखंड में 2023-24 के लिए 2827460 हेक्टेयर में खरीफ की फसल का लक्ष्य था जिसमें 1800000 हेक्टेयर में धान की फसल लगाना था। कम बारिश के कारण झारखंड में सिर्फ 201548 हेक्टेयर में खेती हुई। चतरा गढ़वा सहित कई जिलों में धान की रोपनी नहीं हुई है लातेहार में 1.875%, पलामू में 1.082% ही धान का आच्छादन हुआ है। मक्का, तिलहन, दलहन और अन्य मोटे अनाज का मात्र 14.7 फीसदी ही आच्छादन हुआ है। केंद्र सरकार ने 12 राज्यों के साथ 7 जुलाई 2023 को सुखाड़ पर एक बैठक का आयोजन किया था मेरे द्वारा जिला प्रशासन चतरा एवं लातेहार को 9 जुलाई 2023 को पत्र लिखा गया था, लेकिन राज्य सरकार ने सुखाड़ की स्थिति पर कोई कदम नहीं उठाया है। विगत साल भी झारखंड में सुखाड़ पड़ा था। मेरे द्वारा मामला लोक सभा में भी उठाया गया था परंतु राज्य सरकार ने केंद्र सरकार को कोई प्रस्ताव नहीं भेजा। मेरी केंद्र सरकार और राज्य सरकार से मांग है कि केंद्रीय स्तर और राज्य स्तर से टीम भेजकर प्रत्येक जिले सुखाड़ की स्थिति का आकलन किया जाए तथा तत्काल किसानों को राहत प्रदान करने के लिए विशेष सुखाड़ राहत योजना के तहत डीबीटी के माध्यम से सहायता व वैकल्पिक फसलों की खेती के लिए तैयारी करवाई जाए, किसानों को सिंचाई की वैकल्पिक सुविधा के लिए कुसुम योजना एवं सोलर वाटर पंप बोरिंग के साथ उपलब्ध कराया जाए, राज्य की सभी लंबित सिंचाई योजनाओं और क्षतिग्रस्त सिंचाई योजनाओं को तय समय सीमा में पूर्ण करने हेतु ठोस कार्य योजना बनाई जाए।